

महानरायणमः अचलक रुपाय विः गरुडवर्मा पुत्राय नमः ॥ ३३ ॥
महाधालः हिहिं कालरुयानकः अकलसामहायः वरुहाष्टमहाचल
॥ १० ॥ वरुसत्यामहासत्यवरुलाकामहागुपचवरुवर्मा महासदाः
रुहिं कालं रुहिं ॥ ११ ॥ वरुवाना रुहिं धलाः वरुखरुमि रुहिं रुहिं
ग्यवरुधला वरुहिं रुक वरुहिलनं रुहिं ॥ १२ ॥ वरुका लाकला रुहिं रुहिं

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

DH 388

जजालाणिनाग्रहः॥ वज्रं वधमहावधमनाक्रवज्राचन॥ न३॥ वज्रं लामा
 कलंतनः वज्रं लामेकविद्यदः वज्रं कानि न इवाममाः वज्रं सा नाद्यनच्छुवि॥ न४
 वज्रं मा लामधनश्रीमान् वज्राहलनहृषिगः हाहाहा सोनिधायाः वज्रं वाषाष
 दकल॥ न५॥ मरुधाषामहानार्थः लो कमहानकः आकाशभागुपयिन्ताः
 धारवाधाषस्य गावला॥ न६॥ आदमनहानमया पाशानमाददग॥

नधेताएगनेलात्पः एगकागिननाकूलः शुन्यगावाडविषदहा
 यालगद्वना॥ न७॥ धर्मस्वखामहामयथाः धर्मगलिमहालनः
 निवीनः दभदिगधर्मइरिशा॥ न८॥ अलधालयवासाहः
 नामयः सर्वलपाशस्यलशीलः धमपुगितस्यलधकः॥ न९॥ एवमदक
 महाभाकः सुधमुकवहः यलः समीचमयीमा नमः धमकमुमह

दया ॥ २० ॥ सुलाक्षकाकुमालाः सुतिलावहनापुनित्वागिभलद
नधलः कान्तागलाक्षकुनुला ॥ २१ ॥ लाक्षकुनुनाचार्यत्वाका
यविभालदः नाथकागापिलाकागाः सलनगायिलनाहल ॥ २२ ॥
गगनालगसरागरः सर्वहाननागलभुविद्यानकासरागाः रु
वपंकुलदाला ॥ २३ ॥ समिगास्यषकुभः ससालवधूपातगाः हान

महालाकावकुनुविमलपुरुषविनागादिमहालात्मः विभवाहल
पुला ॥ २४ ॥ सर्वधर्मावरुपयोगीश्वरभक्तिधर्मावकवदुप
भारुवशामानः सर्वरुहानकाभक ॥ २५ ॥ विभवायानलागावदु
विशालमहावकुनुसममिगावदुपदकल ॥ २६ ॥ इत्यु
महाहानवकुनुधर्माहानदुकिनदिलमहादिश्वरवदुकि

भोविचिद्या ११२॥ सर्वपात्रमिषापूर्तिः सर्वरुमिषिरु पवनादिभुवनं
 नेलात्माः सम्यक्त्वं नरकपुरा ॥ ११३॥ मायाजालमाहाडा गृहसंभ्रमला
 विपरीतं ॥ अथर्वकृष्णकाः ॥ निष्ठापमानकायवकः ॥ ११४॥ समन्तर
 दचभुमनिः ॥ क्रिगिगुलाकृत्सकिः ॥ सन्नेवकामहागलाः ॥ विज्जनिमान
 कायवकः ॥ ११५॥ सर्वरावसाहावः ॥ सर्वरावसाहावकः ॥ अनूपादावम

विष्णुर्धृत्सर्वधर्मस्वरावकः ॥ ११६॥ नवकृष्णमहाप्राहाः ॥ सर्वधर्मादि
 वाचकः ॥ सर्वधर्मादि समयाः ॥ रणाशुभनिशुभिकः ॥ ११७॥ क्रिगिगुला
 सनात्माः ॥ सम्यक्त्वं वाचकः ॥ पुत्र्यकृत्सर्ववृद्धाः ॥ ११८॥ नचिरुपुत्र्य
 लः ॥ ११९॥ पुत्र्यकृत्सर्ववृद्धाः ॥ १२०॥ नचिरुपुत्र्य
 वकृत्पात्रः ॥ सर्वसत्यमानाचः ॥ सर्वसत्यपमाचकः ॥ १२१॥ क्रिगिगुला

श्रीन

लेकमा १ अक्षु नलिपु ड रुहा ४ था मल धल शोमानं १ विल विहसा नूपारि ३
॥ १२० ॥ वाहन ननु ममा कृप १ पयानि ह्यं प डै न १ श्री मण्डु ह का लम ४ रा
ना रा ग ग ना उ म ॥ १२१ ॥ नु क पा ड न ला कां नां १ महि मं तु ल सि नू १ वु
नु सि त ला का ला १ पा दां शु क ना म य या ॥ १२२ ॥ नु का थ द य च मी
थ १ प ल मा र्थ वि घट १ नाना वि हू प ल मा र्थ १ चि ह वि हान स प

॥ १२३ ॥ अथ प ल मि ला वा र्थ १ शु न्य ना ल मि य वि ह १ र व ला म शून
ल मि ॥ १२४ ॥ शु द शु रा उ ध व ल १ शु ल र्ज ना शु शु पु र १ वा ल कम
१ लो का या १ महा ला र्ज न र्ग पु र ॥ १२५ ॥ नु निल र्ग म चाल १ महा
निल क वा ध क १ महा मनि म मूर व श्री व ह नि सा न र प न ॥ १२६ ॥ व
थ य कृ शु मा मा डै १ न थ म न ना द धि १ अ र्का शु मा शु ना प्र वि १ स मा

वृद्धमायवि॥ १२० ॥ लोकभातुर्नर्गम कल्पद्विपात्रमहाकुर्महमास
कुर्वन्तु न त्वत्तुसमपिसमाविला॥ १२१ ॥ सच्चसत्यमहासंभूतिनिग
गगनागमः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः
सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः
॥ १३० ॥ सच्चनिशानकागिस्तुः सच्चनिशानकाविदुः सच्चनिशानकाविदुः

सच्चनिशानकागिस्तुः सच्चनिशानकाविदुः सच्चनिशानकाविदुः
कल्पसत्यनर्गकालः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः
सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः
सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः
सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः
सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः सच्चसत्यमनाज्ञातः

लिङ्गयनिश्रीं २३ क हू न रु ल हि मा ॥ १३५ ॥ हू न भू नु वि शु क्ता ला ॥ १३६ ॥
 अ नु क र्य क ल १३७ द त्रि स मू लि क्ता १३८ ग का न्ता प्र ति गु न ॥ १३९ ॥
 म प के स र्ग क्ता १४० पु हि न गु प ता व न १४१ प हू पा य म हा क ल ना १४२ म
 य रु ग ड थ क्ता ॥ १४३ ॥ स र्व स रू प हि ना १४४ वि श्वा ना त्म नि ला व क
 स र्व स रू म ना वि ष य स र्व स रू म ना ग नि ॥ १४५ ॥ स र्व स रू म ना

ल गि ॥ १४६ ॥ सि ङ्गा वि रु मा प र्त्त १४७ स र्व ग नि वि ष क्ता १४८ ग नि शी वि ग म
 स र्थ स र्व र्थ नि गु ना म क ॥ १४९ ॥ प त्त्त क्ता वि ष क्ता १५० स र्व क र्ता वि क
 य क १५१ क र्ता वि शी व ह १५२ स र्व व ह स र्व क ॥ १५३ ॥ अ न क क्ता
 का यी हू का य का नि वि श्वा व क १५४ अ न क क्ता १५५ अ न क क्ता १५६
 मू नि ॥ १५७ ॥ स म र्ग हू न ग म धा त नु वि शी क ॥ ॥ स र्व र्ग व ह य

[illegible][illegible]

नः कुं ग ह न न ल न न ह ॥ १५० ॥ मा ला लि मा ल लि मा ल १ च हु मा ल ह या न
 क १ स व मा ल व न न ह १ स व ह ला क ना य क ॥ १५१ ॥ व द पू का रि ला १
 मा ल नि य स ना य नि १ अ य नि य न मा मा नः न म सु पु द म शु ल ॥ १५२ ॥ क ल
 क क मा ला ल म ह्या म य शी नु वि क मः सु वि द्या भ गि य लि सु १ स ह ति
 ग्य स नु स्म रि ॥ १५३ ॥ वा धि स ला म हा स ला ह ला क कि न म हा धि क १

ला पा ल मि ग नि षः पु द्गा ग ल क मा ग १ ॥ १५४ ॥ आ ल वि प ल स व
 स व वि शो द द य पू ग ल १ स व प द्वा म कि का लु १ ह या कू न वि प मा १
 ध र्मा दान पु गि शु १ ॥ १५५ ॥ च च मू ड प द भ कः य य पा य स ग य क नि शी न न
 का पि त ॥ १५६ ॥ प ल मा र्थ वि शु ड आ लो क शु हा य म हा ल स व स
 ल श्री मा नः म रु श्री श्री स र्वा व ल ॥ १५७ ॥ क ग न ध न मा ध र्म क र्म

三

सकुरुडवकायः सकुरिकागिनसुमनः सकुरुगुन्यर्णगुरुः सकुरवाचिनसम
 ७॥ १५२॥ सकुरनागनसकुरुः सकुरकायनमानसः सकुरायगिनसकुर्यः
 सकुरपिगिनमानसः १५३॥ सकुरस्मिगिनमासकुर्यः सकुरसार्गनमानसः सकुर
 वाचनसकुरुः सकुररावनमानसः १५४॥ सकुरवासावनमासकुरुनस
 सकुरसकुरुसकुरुगगनासकुरनमासकुर्यनसकुरानसकुरवा १५५॥ सकुर

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

यथाविश्वलभ्युलपंचनायमाहात्म्यं सविधर्मा गगनामलशुचिलिखुव
 मधुगुहानगरेण ॥ १४४ ॥ मनुविद्यासागुयवकुचलश्रीमानुहसुगुसाक
 गीकलियुनम्यनार्थी शिवदुह गवर्गुगधमगता ॥ १४५ ॥ त्वं श्ववद्विचित्र
 धेः गुरुदावकृपानिरिहः संसालपयुधवलाकाशः प्राज्ञं च ज्वेलदिवचा
 ॥ १४६ ॥ अनुभादमाहानार्थः साधुसाधुगुहापिनः कृपास्माकं माहान

यसम्यक्कवदुपायक ॥ १४७ ॥ इगगस्यासानाथस्य शिवमफर्तिरुलकाकृत
 सशामागुविशुद्धश्रीः मायाकालनगोदहि ॥ १४८ ॥ गीरेलादातुविपुल्यः
 नाहाथकृगदथकृद्वद्वानां विप्रयाहप ॥ १४९ ॥ सम्यक्कवदुहापिनः ॥ १५० ॥
 उपहालनमधार्पय ॥ १५१ ॥ ॥ आर्यमायाकालधोदगं सासुरिकासा
 कागमगुगुपणिः समाकिल्लकृपानलाह गवर्गुगधमगता ॥ १५२ ॥ श्री गी
 मृतिरापिनमरुथी हनसत्त्वसंयलमातुमानामसंमितिपलिसमा

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविद्यालय DH 388

तमसिनी

५